हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2021

एम.एच.डी.-12 : भारतीय कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है । शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) पन्द्रह मिनट बीतते न बीतते बच्ची की पलकें भारी हो गईं । प्यार से उठाकर उसे पालने में डाल और किवाड़ पर चिटकनी चढ़ाकर तविटम्मा निकल पड़ी । सत्यवती उसकी एक-एक चेष्टा को विस्मय से देख रही है । सड़क पर अम्माजी उनकी प्रतीक्षा में हैं ।

चिढ़े या झिड़के या कुत्तों और पुलिस को दिखाकर डराएँ, धन हीनों का धनवानों को सताए बगैर काम नहीं चलता ।

स्त्रियाँ दो से तीन और तीन से दस होकर दूसरे टोले के एक दुमंज़िलें भवन के सिंहद्वार के सामने पहुँची है । कहानी एक बार फिर शुरू हो रही है ।

(ख) यह सच है कि इस तरीके से इतिहास में, कम-से-कम लेडेंग के वन प्रदेश के इतिहास में कभी किसी ने बाघ का शिकार नहीं किया था, यह बात कभी सुनी नहीं गयी थी । गाँव के लोगों ने भी नहीं सोचा था कि जिस तरह जंगल घेरकर हिरन साँभर को खदेड़कर मारना होता है, वही बाघ मारने का भी तरीका है । या यह भी नहीं सोचा था कि चैती शिकार के समय जंगल जिस समय विरल दिखता है, पेड़ों में कम पत्ते, डाल सब अधनंगी, क्वार का भरा जंगल भी उसी तरह का लगेगा । उन लोगों ने इस बारे में जरा भी नहीं सोचा था ।

(ग) थोड़ी देर बाद एक तीसरी आवाज़ उभरी । गले में पहने हुए आभूषणों सी आवाज़ । तीनों आवाज़ें मिलकर एक हो गई, तो एक हाथ जीवण की छाती पर आ पड़ा । वह हाथ आक्रामक नहीं, गले के हार की तरह आकर्षक था । जीवन ने सोचा, कहीं संकोच के कारण तो यह हाथ जड़ नहीं हो गया है ? और उस हाथ को कुशलतापूर्वक उसने दबा लिया । करवट बदलकर उस हाथ का अनुसरण करना चाहती देह को उसने काबू में कर लिया । मचान भार से टूटा नहीं, रहस्य खुल गया । दूसरे हाथ में गंडासा देखकर उसे कोई संदेह नहीं रहा ।

(घ) पाकिस्तान और हिन्दुस्तान का किस्सा शुरू हुआ तो उसने दूसरे पागलों से पूछना शुरू किया कि टोबा टेक सिंह कहाँ है; जब उसे संतोषजनक जवाब न मिला तो उसकी कुरेद दिन प्रतिदिन बढ़ती गई । अब मुलाकात भी नहीं आती थी; पहले तो उसे अपने आप पता चल जाता था कि मिलने वाले आ रहे हैं, पर अब जैसे उसके दिन की आवाज़ भी बंद हो गई थी जो उसे उनके आगमन की ख़बर दे दिया करती थी — उसकी बड़ी इच्छा थी कि वह लोग आएँ जो उससे हमदर्दी प्रकट करते थे और उसके लिए फल, मिठाइयाँ और कपड़े लाते थे । वह आएँ तो वह उनसे पूछे कि टोबा टेक सिंह कहाँ है .. वह उसे निस्संदेह बता देंगे कि टोबा टेक सिंह पाकिस्तान में है या हिन्दुस्तान में ... ।

2. 'प्राणधारा' कहानी के आधार पर कालीपट्नम रामा राव की सामाजिक दृष्टि पर विचार कीजिए । *10*

3. 'अपने लिए शोकगीत' कहानी के सकारात्मक पक्षों की उदाहरण सहित चर्चा कीजिए । *10*

4. 'दूजौ कबीर' कहानी की संरचना को स्पष्ट कीजिए । *10*

5. 'टोबा टेक सिंह' कहानी में व्यक्त विभाजन की त्रासदी को रेखांकित कीजिए । *10*

6. कश्मीरी कहानी के विकास में 'दीनानाथ नादिम' के योगदान की चर्चा कीजिए । *10*

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) हरिमोहन झा

(ख) आशापूर्णा देवी

(ग) 'दीदी' कहानी के मनोवैज्ञानिक आयाम

(घ) 'ट्रेडिल' कहानी की संवेदना